Class Notes for students of B.A. Geography Hons. part – II, Paper – III, Unit – V

बिहार के कृषि प्रदेश
Agricultural Region of Bihar

बोलेन्द्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल

कृषि प्रदेश की संकल्पना प्रादेशिक संदर्भ में कृषि विविधता में क्षेत्रीय समरूपता की पहचान से संबंधित मानी जा सकती है । कृषि प्रदेशों की पहचान के लिए कृषि उत्पादकता, कृषि दक्षता, फसल गहनता, फसल संकेंद्रण, फसल प्रसार, फसल प्रारूप तथा फसल साहचर्य इत्यादि गुणों में क्षेत्रीय विविधताओं को आधार माना जाता रहा है । भौतिक, कृषि-जलवायु तथा सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं के प्रभाव में फसल उत्पादन की प्रकृति, फसल साहचर्य प्रतिरूप, कृषि पद्धति, कृषि गहनता अनुमाप से संबंधित स्थानीय समताएं विकसित होती हैं । बिहार राज्य को कृषि प्रदेशों में विभाजन के प्रयास का प्रधान आधार फसल साहचर्य प्रकृति को बनाया गया है । बिहार के प्रमुख कृषि प्रदेश निम्नलिखित हैं:

बिहार के कृषि प्रदेश

फसल साहचर्य वर्ग (वरीयता क्रम में फसल भूम्योपयोग)	कृषि प्रदेश अवस्थिति	प्रादेशिक क्षेत्रीय अनुमाप (राज्य क्षेत्रफल के संदर्भ में)
1. चावल–सह–गेहूँ–सह–मक्का	पश्चिमोत्तर–पूर्वोत्तर विस्तार में मध्य अवस्थित कृषि प्रदेश अंगीभूत जिले : पूर्वी चम्पारण, सिवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, शिवहर, समस्तीपुर, मुंगेर, शेखपुरा, जमुई, बांका, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार।	38.4 प्रतिशत
2. चावल–सह–गेहूँ–सह–खेसारी	दक्षिण बिहार अवस्थित मध्य पश्चिमी कृषि प्रदेश अंगीभूत जिले : भोजपुर, बक्सर, रोहतास, जहानाबाद, औरंगाबाद	13.6 प्रतिशत
3. चावल–सह–गेहूँ–सह–मसूर	दक्षिण बिहार अवस्थित मध्य पूर्व कृषि प्रदेश अंगीभूत जिले – पटना, नालन्दा, नवादा, लखीसराय	9.8 प्रतिशत
4. चावल–सह–गेहूँ–सह–मूँग	उत्तरी बिहार का मध्यवर्ती कृषि प्रदेश अंगीभूत जिले – दरभंगा, मधुबनी, सुपौल	9.3 प्रतिशत
5. चावल–सह–गेहूँ–सह–गन्ना	उत्तरी–पश्चिमी कृषि प्रदेश अंगीभूत जिला – गोपालगंज, पश्चिमी चम्पारण, सीतामढ़ी	9.0 प्रतिशत
6. चावल–सह–गेहूँ–सह–चना	दक्षिणी बिहार का पश्चिमोत्तर कैमूर कृषि प्रदेश	3.5 प्रतिशत
7. चावल–सह–गेहूँ–सह–आलू	दक्षिणी सीमान्त गया कृषि प्रदेश	5.3 प्रतिशत
8. चावल–सह–गेहूँ–सह–जूट	उत्तरी सीमान्त अररिया कृषि प्रदेश	3.0 प्रतिशत
9. चावल–सह–गेहूँ–सह–चना	बिहार के पूर्व अवस्थित भागलपुर कृषि प्रदेश	2.6 प्रतिशत
10. चावल–सह–गेहूँ–सह–चना	उत्तर–पूर्वी बिहार किशनगंज कृषि प्रदेश	2.0 प्रतिशत
11. चावल–सह–गेहूँ–सह–चना	गंगा तटीय अवस्थित मध्य–पूर्व कृषि प्रदेश अंगीभूत जिले – बेगुसराय, खगड़िया	3.5 प्रतिशत

1. **चावल-गेहूं-मक्का प्रदेश:** इस कृषि प्रदेश में बिहार की कुल जिला आवृत्तियों का 41.5% से ज्यादा सम्मिलित है । इस प्रदेश के कृषि उत्पादन में वरीयता क्रम में धान, गेहूं तथा मकई खाद्यान्नों का महत्व है । फसल ऋतु के संदर्भ में भदई फसल के रूप में मक्का और धान, अगहनी फसल के रूप में धान तथा रबी फसल के रूप में गेहूं उत्पादन की प्रधानता है । फसल उत्पादन सिंचित और असिंचित दोनों प्रकार का होता है । प्रधान फसल साहचर्य के अतिरिक्त गन्ना, जूट, जौ, चना, सब्जी, फल इत्यादि का उत्पादन भी होता है ।

2. **चावल-गेहूं-खेसारी प्रदेश:** इस कृषि प्रदेश में बिहार की कुल जिला आवृत्तियों का 13.9% सम्मिलित है । धान, गेहूं तथा खेसारी इस प्रदेश के कृषि उत्पादन में प्राथमिकता का निर्धारण करते हैं । धान और गेहूं की कृषि सिंचाई समर्थित रहती है जबकि खेसारी धान की कटाई के पूर्व बो दिया जाता है तथा रबी फसल के रूप में काटा जाता है । चना, दलहन, तिलहन तथा गन्ना की खेती भी कुछ-कुछ मात्रा में होती है । धान भदई और अगली फसल के रूप में तथा गेहूं रबी फसल के रूप में प्राप्त किया जाता है । सोन नहर प्रणाली तथा नलकूपों और कुआँ से सिंचाई सुविधा का यह दूसरा क्षेत्रीय विस्तार का संगठित क्षेत्र है ।

कृषि प्रदेश	प्रमुख फसल	भौगोलिक विशेषताएं
उत्तर पूर्वी मैदान	चावल एवं जुट	बाढ़ का मैदान और कले मिट्टी, पर्याप्त उर्वरता पर्याप्त वायुमंडलीय आर्द्रता, 125 मीटर से अधिक
उत्तर पश्चिमी मैदान	चावल गन्ना	वर्षा 125 सेंटीमीटर से कम, लेकिन गंडक कमांड एवं भू जल से सिंचाई, पुरानी जलोढ़ के मैदान. मिट्टी में अधिक नमी रखने की क्षमता और मिट्टी में चुनने का अधिकार से.
उत्तर मध्यवर्ती मैदान	चावल, मक्का, गेहूं	गंडक से लेकर कोसी के बीच का क्षेत्र, बाढ़ का मैदान, हल्के एवं कले प्रधान मिट्टी, अनुकूल वर्षा, नहर, नलकूपों द्वारा क्षेत्र में रवि फसलों की भी कृषि.
दक्षिणी पश्चिमी मैदान	चावल, गन्ना, गेहूं	खड़कपुर पहाड़ी के पश्चिम स्थित मैदानी क्षेत्र और सिंचित क्षेत्र (सोन कमांड क्षेत्र) में चावल, गन्ना एवं गेहूं की प्रधानता.
दक्षिणी पूर्वी मैदान	चावल, मक्का, गेहूं, गन्ना	वर्षा 125 सेंटीमीटर से अधिक, सिंचाई के अभाव में सूखे की अधिकता.

चित्र स्रोत: https://examvictory.com/bihar-mein-bhumi-sansaadhan-aur-krishi-sansadhan/

.....क्रमशः

सन्दर्भ: बिहार की भौगोलिक समीक्षा, वसुन्धरा प्रकाशन, डॉ नंदेश्वर शर्मा, इन्टरनेट

.....